RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 43 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 1 अप्रैल 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

लोकसभा चुनाव में उत्तराखण्ड

हलचल तेज, कोई इधर गिरा कोई उधर गिरा

कार्यालय प्रतिनिधि

लोकसभा चुनाव 2024 के लिये पाटियां और उनके नेता जनता को भरोसा दिलाने लगे हैं कि सत्ता के बदले भरपूर लाभ देंगे। देश में चारों ओर फैली भाजपा प्रचण्ड अभियान में लगी है और नरेन्द्र मोदी को अवतार के रूप में प्रचारित किया गया है। मोदी ने भी आने वाले समय में नए कीर्तिमान बनाने का संकल्प दोहराया है। यूसीसी बिल का धमाल चारों ओर बना हुआ है। इसको लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। विपक्ष की ओर से कांग्रेस के दावे बड़ी पार्टी के रूप में सामने हैं । राहुल गांधी ने ऐलान किया है कि कांग्रेस सत्ता में आते ही उनकी पार्टी 'नारी न्याय गारन्टी' देगी। इसके तहत गरीब महिलाओं को उनके बैंक खाते में हर वर्ष बैंक खातों में एक लाख रुपये दिये जाएंगे। लोकसभा के लिये पूरे देश में चुनावी माहौल गरम है ऐसे में एक-एक सीट पर पार्टियों की नज़र है।

कई नेता पार्टी उपेक्षा से चुप्पी साध चुके हैं और कई कर रहे दिखावा

अपनों के सताए और अपने से घिरे भी ठौर तलाश रहे

18 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में लोकसभा चुनाव होने हैं। आदर्श आचार संहिता प्रभावी होते ही प्रशासन अपना काम कर रहा है और पार्टियां अपना। इस पूरे महापर्व का परिणाम 4 जून को मिलेगा।

बात उत्तराखण्ड प्रदेश की करें तो चुनाव का मैदान सजते ही यहाँ भी नेताओं का पार्टी बदलने का खेल तेज हो गया है। 'कोई इधर गिरा कोई उधर गिरा' वाली स्थिति में हास्यास्पद स्थिति देखी जा रही है जब पार्टी बदल कर अपना ही विज्ञापन छुटभैय्या भी करवा रहे हैं। अपने किसी बचाव या किसी लोभ में पार्टी बदलने वालों की खूब चर्चा हो रही है। इसके अलावा पार्टी में मान न मिलने से नाराज नेता भी इस्तीफा देकर नई कहानी लिख रहे हैं। पार्टी टिकट मिलते ही सबसे पहले चुनाव प्रचार में नैनीताल लोकसभा सीट से भाजपा अजय भट्ट को सक्रिय देखा गया। जगह-जगह चुनाव कार्यालय उद्घाटन के साथ व स्वागत समारोह में जुटे। अल्मोड़ा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अजय टम्टा भी अपनी चारों विधानसभा सीटों में सम्पर्क के लिये दौड़ तेज कर चुके हैं। नेताओं के अपने-अपने दावे हैं। कांग्रेस के चर्चित नेता और पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत का दावा है कि उत्तराखण्ड की पाँचों सीटों पर कांग्रेस जीत दर्ज करेगी। भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी कहते हैं- पिछली बार की अपेक्षा भाजपा के पक्ष में दस प्रतिशत ज्यादा मतदान काराना लक्ष्य है।

प्रदेश की सबसे चर्चा में बनी नैनीताल लोकसभा सीट पर भाजपा-कांग्रेस की घमासान इसलिये भी दिखाई दे रही है क्योंकि अन्दरखाने चोट करने वाले भी जुटे हुए हैं। भाजपा ने अजय भट्ट को मैदान में उतार दिया लेकिन कांग्रेस की उलझन अन्त तक सबने देखी है। हल्द्वानी में कांग्रेस के प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया ने नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दे डाला इसकी दिनभर चर्चा के बाद अगले दिन उन्होंने अपना आत्मपरिचय को विस्तार से प्रचारित किया। जिससे पार्टी का शीर्ष भी नैनीताल लोकसभा सीट के लिये टिकट फाइनल करने को जूझने लगा। ऐसे में एक आश बनी की दीपक बल्युटिया को टिकट मिल जाए। असल में दीपक स्व. एन.डी. तिवारी परिवार के सक्रिय युवा नेता हैं और विधान सभा चुनाव के दौरान वह पार्टी टिकट के लिये पूरे जोश से लगे रहे लेकिन पार्टी ने स्व. इन्दिरा हृदयेश के सुपुत्र सुमित को टिकट दे दिया। इसके बाद श्री बल्यूटिया लगातार तमाम मुद्दों को लेकर पार्टी के लिये कार्य करते रहे और लोकसभा सीट के लिये दावेदारी कर दी लेकिन टिकट बंटवारे के समय उनकी उपेक्षा दिखाई दी। जिससे वह नाराज थे। उन्होंने कहा विकास पुरुष एनडी तिवारी व उनकी पूरी धारा को किराने करने का काम बर्दाश्त नहीं होगा। दीपक बल्यूटिया के पार्टी छोड़ने की चर्चा से विधायक सुमित हृदयेश सहित कई नेता उनसे मिलने गये। नैनीताल सीट पर एनडी तिवारी की धाक रही है और बल्यूटिया परिवार की पकड़ को भी सब जानते हैं। बहुत माथापच्ची के बाद कांग्रेस ने प्रकाश जोशी को नैनीताल लोकसभा सीट और हरिद्वार से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र वीरेन्द्र रावत पर ही दांव लगाना उचित समझा। यह भी सच है कि चुनाव लड़ने की इच्छा तो बहुतों की है लेकिन वर्तमान के हालात में चुनाव लड़ने की हिम्मत जुटाना हर किसी नेता के बस में नहीं दिख रहा है। इसलिये सबने अपनी ताल बजाई और अन्त में पार्टी ने प्रकाश और वीरेन्द्र को मैदान में उतार दिया। चूंकि बल्यूटिया पहले से ही मन बनाए हुए थे तो उन्होंने अन्त में टिकट न मिलने से नाराज होकर कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा वह जनहित कार्यों में संकल्पित रहेंगे। कहा, वह बहुत भरे मन से पार्टी छोड़ रहे हैं।

इधर-उधर होने वाले नेताओं का भाजपा में गिरना लगातार बना हुआ है। कांग्रेस छोड़ने

शेष पृष्ठ 5 पर

जीत के लिये दांवपेंच

उत्तराखण्ड में लोकसभा की पाँच सीटों के लिये दांवपेंच चल रहे हैं। यहाँ की पाँचों सीटों में प्रत्याशियों की सूची जारी करने में भाजपा आगे रही है। पिथौरागढ़, नैनीताल, टिहरी लोकसभा सीटों पर पुराने चेहरों को ही पार्टी ने उतारा है जबकि हरिद्वार और पौड़ी सीट पर पुराने दिग्गजों की जगह नए चेहरे उतारे हैं। कांग्रेस ने भी पिथौरागढ़ सीट पर पुराने चेहरे को आगे किया है। पौड़ी, टिहरी से बहुत सोच-समझकर टिकट दिया है। नैनीताल और हरिद्वार सीट पर उम्मीदवार को लेकर विपक्ष उलझा रहा क्योंकि इन सीटों पर दांव चलने वाले चुनौती दे रहे थे। अन्त में कांग्रेस ने युवा नेता प्रकाश जोशी और वीरेन्द्र रावत को अपना प्रत्याशी बनाया।

नैनीताल-उधमसिंह नगर सीट

नैनीताल-उधमसिंह नगर सीट पर भाजपा ने पूर्व रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट को मैदान में उतार कर छुटपुट उछल-कूद करने वालों को शान्त कर दिया है। इस सीट के लिये पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, विधायक अरविन्द पाण्डे सहित अन्य भी इच्छा रखे हुए थे लेकिन पार्टी संगठन के हिसाब को देखते हुए अजय भट्ट को ही दमखम वाला पाया। कांग्रेस इस सीट पर अन्त तक प्रत्याशी तय करने में उलझी रही क्योंकि यशपाल आर्य से लेकर महेन्द्र पाल तक नामों की कतार दिखाई तो दे रही थी लेकिन कौन समीकरण किस तरह बनेगा यह सब देखते हुए पार्टी ने अन्त में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव व कालाढूंगी सीट पर दो बार चुनाव लड़ने का अनुभव रखने वाले प्रकाश जोशी को टिकट दिया।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ सीट

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़-चम्पावत-बागेश्वर लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने पुराने दिग्गज के रूप में प्रदीप टम्टा को ही आजमाया है। सांसद रहे प्रदीप के अलावा पार्टी के पास इस सीट पर दूर-दूर तक कोई मजबूत नेता दिखाई भी नहीं दे रहा है। इस आरक्षित सीट पर भाजपा ने निवर्तमान सांसद अजय टम्टा को ही अवसर दे दिया है। पहले माना जा रहा था कि इस बार रेखा आर्या को भाजपा अपना उम्मीदवार बना सकती है लेकिन पार्टी के रणनीतिकारों ने बहुत ही सूझबूझ के साथ अजय का नाम फाइनल किया। अजय और प्रदीप के बीच लोकसभा में चौथी बार आमने-सामने हैं। इससे पहले सोमेश्वर विधानसभा सीट में भी आमने-सामने रह रह चुके हैं।

हरिद्वार सीट

हरिद्वार लोकसभा सीट पर सबसे रोचक मुकाबला होने जा रहा है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री रहे डॉ. रमेश पोखरियाल को एकदम किनारे करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत को उम्मीदवार बनाया है। त्रिवेन्द्र रावत लगातार अपनी सक्रियता से शीर्ष स्तर तक पैठ बनाए हुए थे। विपक्ष की ओर से प्रत्याशी बनाने में खूब उबाल दिखाई दिया क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की चाहत इस सीट में सबसे ज्यादा थी। ऐसे में पार्टी की ओर से उनका मान रखते हुए उनके सुपुत्र वीरेन्द्र रावत को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा की सूची जारी होने के 21 दिन बाद कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी घोषित किया।

पौड़ी गढ़वाल सीट

पौड़ी गढ़वाल लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को मैदान में उतार कर मुकाबला रोचक कर दिया है। पार्टी ने अपने सर्वे में गोदियाल को सीट के लिये

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

रामपुर तिराहा काण्ड
फैसले में तीन दशक

तीन दशक बाद रामपुर तिराहा काण्ड में महिला से दुष्कर्म, छेड़छाड़ और लूटपाट के मामले में पीएसी के दो सेवानिवृत्त जवानों को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नम्बर सात/विशेष न्यायाधीश सीबीआई ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। १८ मार्च २०२४ को कोर्ट ने प्रत्येक आरोपी पर ५०-५० हजार रुपये का अर्थदण्ड भी लगाया। अर्थदण्ड की धनराशि क्षतिपूर्ति के रूप में पीड़ित को देने के आदेश दिए गए हैं। रामपुर काण्ड में किसी भी मामले में यह पहला फैसला है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को कारागार भेज दिया।

१ अक्टूबर १९९४ की रात में पृथक राज्य की मांग के लिए दिल्ली जा रहे उत्तराखण्ड के आन्दोलनकारियों को पुलिस ने मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहे पर रोक लिया था। इसके बाद आन्दोलनकारियों का पुलिस से टकराव हो गया। आरोप है कि पुलिस की फायरिंग में सात की मौत हो गई और महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ। तभी से उत्तराखण्ड क्रान्तिदल सहित तमाम आन्दोलनकारी शक्तियां दोषियों को सजा देने की मांग करती रही हैं। इस पूरे प्रकरण पर मुलायम सिंह सरकार द्वारा दोषियों को बचाने का आरोप भी प्रदर्शनकारी लगाते रहे हैं। यही वजह है कि पर्वतीय राज्य में समाजवादी पार्टी को आज तक पसन्द नहीं किया गया। इस घटना को पहाड़ की अस्मिता का सवाल बताते हुए बराबर प्रदर्शन होते रहे हैं लेकिन घटना से के इन तीन दशकों में कई लोगों का निधन हो चुका है। मामला जैसे-तैसे आगे बढ़ा तो अब जाकर दो लोग दोषी ठहराए गए हैं।

इतने लम्बे समय बाद मामले में न्याय पर कुछ राहत है लेकिन सवाल भी है कि मानवता को शर्मसार करने वाहे रामपुर तिराहा काण्ड पर क्या न्याय पूरा हो चुका है? एडीजे शक्ति सिंह ने दोषियों को सजा सुनाने के आदेश पर तल्ख टिप्पणी में कहा- 'यह घटना जलियावाला बाग काण्ड की याद दिलाती है। साथ ही अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधीकी जयन्ती के दिन यह घटना पूरी तरह अप्रत्याशित, अकल्पनीय व मानवीय मर्यादाओं को तार-तार करने वाली है।'

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

रूस बना रहा 'मॉस्को कॉरिडोर'

यूक्रेन युद्ध के पहले रूस व्यापार के लिए यूरोप पर ही निर्भर था लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबन्धों को मात देने के लिये रूस नए तरीके खोज रहा है। इसी क्रम में रूस ने भारत, चीन और मिडल ईस्ट के देशों के साथ सम्बन्ध मजबूत कर दिस हैं। रूस अपनी पहुँच भारत और एशिया तक बढ़ाने के लिये मॉस्को से मुम्बई तक मल्टी मोड ट्रान्सपोर्ट कॉरिडोर बना रहा है।

ब्रिटेन जाएंगे दो हजार भारतीय डाक्टर

ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस में चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिये भारत से दो हजार चिकित्सक भेजे जाएंगे। इसके लिये भारत के नौ प्रमुख शहरों के बड़े अस्पतालों में प्रशिक्षण शुरू किए गए हैं। मुम्बई, गुरुग्राम, नागपुर, इन्दौर, चेन्नई, दिल्ली, कालीकट, बेंगलुरू और मैसूरू में प्रशिक्षण होगा।

रूस की स्वतंत्रता को खतरा होने पर परमाणु

मॉस्को। राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा कि अगर रूस राज्य, सम्प्रभुता या स्वतंत्रता को खतरा होता है तो रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिये तैयार है। रूसी राज्य टेलीविजन पर एक इंटरव्यू में पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका किसी भी ऐसे तनाव से बचेगा।

हमले का आरोपी खालिस्तानी समर्थक को जेल

लन्दन। पश्चिमी लन्दन में पिछले साल भारत के स्वतंत्रता दिवस पर भारतीय उच्चायोग में आयोजित समारोह में हमले में लिप्त खालिस्तानी सतर्कक को जेल भेज दिया है। गुरप्रीत सिंह (26) को आशीष शर्मा और नानक सिंह और पुलिस कांस्टेबल जस्टिन निकोल फैरेन पर हमले के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

अमेरिका ने चीन को लगाई लताड़

अरूणांचल प्रदेश को लेकर चीन की अनर्गल बयानबाजी पर भारतीय विदेश मंत्रालय का तेवर तल्ख है। इस बीच अमेरिका ने भारत का साथ देते हुए चीन को तलाड़ा है।

मास्को में हुए नरसंहार का बदला लेंगे पुतिन

मॉस्को के क्रोक्स सिटी हॉल में हुए आतंकी हमले में 133 लोगों की मौत हो गई। नरसंहार के बाद रूस के राष्ट्रपति ने ब्लादिमीर पुतिन ने कहा इस बर्बर हमले को अंजाम देने वालों से बदला लेंगे।

फसक
दाज्यू, चुनाव की परेड में छुटन्ना भी सक्रिय ठैरा
सिस्टम के तारों में करंट हमेशा रहता है बल

दाज्यू, लोकसभा चुनाव के लिये दौड़ादौड़ मची है। अपना प्रधान उरबी दा भी सुबह ही निकल पड़ता है। कह रहा था- 'अपना नेता इस बार जीत रहा है। फिर देखो क्या हाल करते हैं।' दाज्यू, चुनाव परेड की परेड में छुटन्ना भी सक्रिय होने वाला ठैरा। कलजुग में किसको कहें चोर-चकार, सभी पगड़ी पहन कर घूम रहे हैं और होर्डिंग-बैनरों में दिखाई देते हैं। लगता है बेशर्मी सब भूल चुके हैं। लफ्फड़ मारने का मन तो करता है लेकिन....। होली के नशे से उबर जाने दो। सिस्टम के तारों में करंट हमेशा रहता है बल। दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल को ईडी ने हिरासत में लिया तो पार्टी वाले प्रदर्शन करने लगे। दाज्यू, देशभर में ईडी-ईडी सुनाई दे रहा है। क्या होता होगा? अपने पहाड़ के सीएम धामी कह रहे हैं- 'भ्रष्टाचार की होली का दहन करें।' भगवान जाने आगे-आगे क्या होने वाला है। अभी तो चुनाव से पहले शराब और नगदी पकड़ हो रही है बल। दाज्यू, ये छुट्टन लोग चोरी-चकारी, नगदी-शराब सटर-पटर कैसे कर लेते होंगे? कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा कह रहे हैं- 'कांग्रेस पोल खोल अभियान चलाएगी।' हमें समझ नहीं आ रहा है पार्टी के नेताओं की भाजाभाज हो रही है और ये किसकी पोल खोलेंगे?

पिथौरागढ़ कैम्पस में छात्र नेता ने एक विषय के प्रेक्टिकल विषय पर वसूली का आरोप लगाते हुए जाँच की मांग की है। छात्रसंघ महासचिव ने मामले इस्तीफा देते हुए अपनी बात कही है। दाज्यू, हम तो कई बार कह चुके हैं कि बड़े वाले कालेज में प्रयोगात्मक परीक्षा के नाम पर खुली वसूली हो रही है लेकिन क्या हुआ? कालेज घूमने वाले जुवा बालक सोचते होंगे मुंह में पैसा मारकर नम्बर मिल जाएंगे। साहब लोग सोचते हैं निपट जाने दो चुपचाप। झूला झुलाते-झुलाते उमर बीत चुकी है दाज्यू। अब दूर से देखते रहो जो चल रहा है।

बनभूलपुरा में बवंडर मामले में अब्दुल मतीन सहित सौ से अधिक बन्दी रमजान का पाक महीना जेल में ही मना रहे हैं। 35 लोगों को तो ईद भी जेल में ही मनानी पड़ेगी बल। बामपन्थी बड़ी नेता बृन्दा करात भी बनभूलपुरा घूमने आई थीं। देश की धांकड़ नेताओंठैरी बृन्दा। मुख्यमंत्री के पूर्व प्रमुख निजी सचिव पी.सी.उपाध्याय पर दवाओं के टेंडर दिलाने के नाम पर दवा फैक्ट्री के मालिक से 50 लाख रुपये हड़पने का आरोप लग है बल। पीड़ित को फर्जी बिल देने सहित मामले में साब गिरफ्तार हैं। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाइवे से सटे पाडली गाँव में नेपाल मूल के श्रमिकों ने वन पंचायत सरपंच से बारह हजार रुपये ठग लिए। पैसे लेने के बाद से श्रमिक फरार हैं बल। किच्छा में सिंचाई विभाग का कनिष्ठ सहायक 6 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। दाज्यू, गजेड़ी-भंगेड़ी तो पहले भी हुआ करते थे लेकिन नशे के कारोबार के कनेक्शन ज्यादा हो गये हैं।

दाज्यू, रामनगर बाजार में भाजपा प्रत्याशी के कार्यक्रम के दौरान समर्थकों के दो गुट में मारपीट हो गई। दर्जन भर पर मुकदमा दर्ज हुआ। दाज्यू, होली और चुनाव दोनों को मिलाकर जूस बनाने वाले कम थोड़ा ही ठैरे। अभी चुनाव प्रचार में आगे भी कुछ न कुछ होता रहेगा। भगवान सबकी भली करे, और क्या कहें? अपना ध्यान रखना।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

जीत के लिये.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

उपयुक्त पाया। इसकी भनक लगते ही मनीष खण्डूरी भाजपा की ओर खिसक चुके थे। गोदियाल रमेश पोखरियाल और डॉ.धनसिंह रावत को हराकर विधायक रह चुके हैं। 2021 में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे गोदियाल इस बार पूरी तरावट के साथ मैदान में उतरे हैं। भाजपा ने इस सीट पर अनिल बलूनी को उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत भी टिकट की दौड़ में थे लेकिन रणनीतिकारों ने उन्हें दूर करते हुए राज्यसभा सांसद रहे और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बलूनी के लिये पहले से ही कहा जा रहा था कि मौका मिल सकता है। पौड़ी सीट में गोदियाल और बलूनी के बीच बर्चस्व की जबर्दस्त टक्कर देखने को मिलने वाली है।

टिहरी गढ़वाल सीट

कांग्रेस ने गुनसोला को टिहरी गढ़वाल सीट से टिकट देकर सधा हुआ निशाना लगाया है। उत्तराखण्ड की पहली और दूसरी विधान सभा में मसूरी से विधायक रहने वाले जीत सिंह गुनसोला इस बार पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार हैं। इस सीट पर कांग्रेस की ओर से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह का नाम लिया जा रहा था लेकिन उनकी ना के बाद गुनसोला पर भरोसा किया है।

चुनाव की चकाचौंध
हरीश रावत की अड़ में झुकी पार्टी

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अपने राजनीतिक जीवन में बार-बार अड़ते रहे हैं, जिस कारण पं.नारायणदत्त तिवारी के साथ इनकी नहीं बनी। कांग्रेस में तिवारी-रावत के बाद इन्दिरा हृदयेश-रावत गुट बने रहे। इससे आगे की घमासान में रणजीत रावत ने ही इनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया और विधानसभा चुनाव में रामनगर सीट से हरीश रावत का पत्ता कट गया था। अब फिर से रावत की अड़ के सामने पार्टी को झुकना पड़ा है और उनके सुपुत्र वीरेन्द्र रावत को हरिद्वार सीट पर उम्मीदवार बनाया गया।

प्रकाश जोशी की पकड़ सबने देखी

नैनीताल लोकसभा सीट पर कांग्रेस टिकट पाने वाले प्रकाश जोशी की पकड़ फिर से सबने देखी है। राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले प्रकाश कालाढूंगी सीट पर विधानसभा टिकट से दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। राष्ट्रीय सचिव के रूप में उनकी पहचान रही है। उनका मुकाबला कद्दार नेता अजय भट्ट के साथ रोचक होगा। असल में कांग्रेस ने भाजपा की तरह इस बार युवा चेहरे के सहारे इस सीट पर जोर दिखने की ठानी है।

बलूनी का जलबा बना हुआ है

भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख और राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी का जलबा बना हुआ है। पौड़ी गढ़वाल लोकसभा सीट से पार्टी के प्रत्याशी बलूनी ने जगह-जगह रोड प्रदर्शन करते हुए अपनी बात रखी। बलूनी पार्टी संगठन में पहुँच वाले नेता हैं जिस कारण छुटपुट से लेकर अन्य नेता उनके सम्मान में लाइन पर हैं। बलूनी कह रहे हैं- 'राज्य को प्रधानमंत्री मोदी की गारन्टी पर पूरा भरोसा है।'

गुनसोला और शाह बने धुंआधार

टिहरी लोकसभा सीट पर इस बार भाजपा प्रत्याशी राजलक्ष्मी शाह और कांग्रेस के जीत सिंह गुनसोला धुंआधार बने हुए हैं। पहले माना जा रहा था कि भाजपा की ओर कोई दूसरा चेहरा प्रत्याशी होगा लेकिन रणनीति में राजलक्ष्मी को दोहराया गया है जबकि कांग्रेस ने इस सीट के लिये पहले से मन बना लिया था। ऐसे में जनता की चाह है कि दोनों के बीच चुनावी घमासान हो ही जाए।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

इतिहास

अल्मोड़ा जिले का प्रथम महिला संगठन

लक्ष्मण सिंह पांगती

सन् 1910 के बाद जोहारी समाज में जागृति आयी। सन् 1912 में जोहार सोसाइटी नामक एक वृहद संगठन बना। बागेश्वर, थल तथा जौलजीवी के मेलों में सोसाइटी का सन्देश घर-घर पहुँचाने का प्रयास किया गया। लोग सुधार कार्य से उत्साहित थे। स्वदेशी प्रचार के साथ आर्य समाज तथा कांग्रेस प्रचार भी उमंग के साथ होता रहा।

सन् 1910 में भैंसखाल में कन्या पाठशाला स्थापित की गयी। मुनस्यारी में हिन्दी-अंग्रेजी मिडिल स्कूल खोलने का आन्दोलन शुरू किया गया। महिलाओं में भी जागृति आयी। जोहार के महिलाओं स्त्री सुधार के लिए एक समिति का गठन किया गया। इस समिति की अध्यक्ष श्रीमती भवानी पांगती पत्नी खड़क राय पांगती तथा सचिव पद के लिये श्रीमती हिरमा देवी पांगती पत्नी बाबू राम सिंह पांगती चुनी गयी थी।

बाबू राम सिंह पांगती ने अपनी आत्म कहानी में प्रथम महिला समिति का उल्लेख किया है। उन्होंने प्रथम महिला समिति के गठन की तिथि का जिक्र नहीं किया है। आत्म कहानी सन् 1936 में लिखी गयी थी। प्रथम जोहार महिला समिति का गठन सम्भवत: 1930 के आसपास हुआ होगा।

सुदूर इंग्लैण्ड से भारत आयी सरला बहिन ने अपनी हिमालयी यात्रा के दौरान अल्मोड़ा(अब पिथौरागढ़) जिले में जोहार घाटी में भी गांधी आश्रम के लिए ऊन खरीदने के लिये गयी थी। मासिक पत्रिका 'लोक गंगा' के सितम्बर-नवम्बर 2009 के अंक में प्रकाशित एक लेख में उन्होंने लिखा है- 'मुझसे मिलने के लिये कुछ बहिनों की बैठक बुलाई गयी। जोहार में सुधार आन्दोलन का प्रभाव पड़ रहा था। बहनों पर आर्य समाज तथा राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रभाव पड़ रहा था। वहाँ स्त्रियों का एक संगठन था और उसकी बैठकें बराबर चलती रहती थीं। यह अल्मोड़ा जिले का एकमात्र स्त्री संगठन था। मैंने अल्मोड़ा में महिला बैठक बुलाने की कोशिश की थी लेकिन एक भी बहन नहीं आयी।'

इस लेख से साफ जाहिर होता है कि तत्कालीन अल्मोड़ा जिले में एकमात्र महिला संगठन जोहार में ही गठित हुआ था।

बाबू राम सिंह पांगती ने 'स्त्री शिक्षा' नामक पुस्तक का प्रकाशन सन् 1910 में किया। उन दिनों जब सम्पूर्ण कुमाऊँ में नारी शिक्षा की स्थिति दयनीय थी, जोहार जैसे पिछड़े इलाके में बाबू राम सिंह पांगती द्वारा 'स्त्री शिक्षा' का प्रकाशन एक मली का पत्थर ही माना जायेगा।

-लक्ष्मण सिंह पांगती
5/47, जोहार नगर, हल्द्वानी

स्मरण और निवेदन

चुफाल ने पर्वतीय समाज को पहचना दी

यू.सी.जोशी

'पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच' का नाम सुनते ही या दिमाग में स्मरण करते ही मुझे एक 'पहाड़ी' होने का गर्व महसूस होता है और यह एसहास सन् 1980 से हुआ जब पहली बार रामलीला ग्राउण्ड हल्द्वानी से उत्तरायणी पर्व पर एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गयी। हम लोग उस समय युवा थे और मैंने साथियों के साथ बड़े जोशोखरोश से उस शोभा यात्रा में भाग लिया था। यह कहने में मुझे झिझक नहीं होगी कि 1980 से पूर्व हल्द्वानी में हम पहाड़ियों को और गैर पहाड़ियों द्वारा कुछ अजीब सी नजरों से देखा जाता था। कहते हैं समाज में सदियों में एक कालपुरुष का जन्म होता है और उसी तारतम्य में हमारे बीच आये श्री बलवन्त सिंह चुफाल जिन्होंने सर्वप्रथम गौलापार में पहाड़ी समाज पर अत्याचार करने वाले गैर पहाड़ियों को सबक सिखा कर सही रास्ते पर लाये और 1980 से कुमाउंनी (पहाड़ी) समाज को एक अलग पहचान दी, उन्हें संगठित किया व स्वाभिमान से जीने की राह दिखाई। गत 10 फरवरी 2024 को हृदयगति रुकने से चुफाल जी का स्वर्गवास हो गया। यह हमारे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस बीच कई लोगों द्वारा श्री चुफाल के बारे में वक्तव्य दिये गये और सभी के अनुभव के आधार पर यही निष्कर्ष सामने आये कि स्व. चुफाल एक अदम्य साहसी के साथ-साथ दुस्साहसी भी थे, जो ठान लेते थे उसे पूरा करके ही चैन लेते थे। उन्होंने अपना सारा जीवन कुमाऊँ को समर्पित कर दिया। 1982 में पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की स्थापना की गयी। मंच हेतु कार्यालय एवं गोलज्यू महाराज के मन्दिर हेतु भूमि तहसील क्वार्टर हल्द्वानी के पीछे श्री खीम सिंह बिष्ट द्वारा संस्था को भूमि दान में दी गयी लेकिन प्रशासन द्वारा उसे अवैध घोषित कर दिया गया। इसी क्रम में संस्था हेतु भूमि के लिए जेल भरो आन्दोलन चलाया गया जिसमें शहर के युवा एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा लगातार गिरफ्तारियां दी गयी। तत्पश्चात शासन द्वारा मंच को वर्तमान हीरानगर स्थित भूमि प्रदान की गयी, जहाँ पर आज मंच विद्यमान है। भूमि मिलने के पश्चात भी तब से आज तक मंच को यह भूमि सरकार द्वारा पूर्ण रूप से नहीं दी गयी है। इसी संघर्ष में स्व. चुफाल सत्ता में विराजमान पार्टियों में शामिल होते रहे ताकि संस्था की भूमि संस्था के नाम पर दर्ज हो जाये लेकिन उनकी अन्तिम सांस तक भी यह शुभ समाचार नहीं मिल पाया।

मुझे विगत वर्ष 2023 में इस संस्था का महासचिव चुना गया। मैं वैसे तो प्रारम्भ से ही संस्था के साथ मानसिक रूप से जुड़ा रहा और महासचिव के पद पर चुने जाने के पश्चात मैंने देखा कि प्रारम्भ में जब यह संस्था बनी थी उस समय हल्द्वानी शहर के दिग्गज एवं गणमान्य महानुभाव इस संस्था के सदस्य थे और उस सूची को देखने के पश्चात ही हम समझ पाते हैं कि इस संस्था का इतिहास कितना गौरवमयी था। उन सभी में बहुत से गणमान्य लोग अभी भी हैं लेकिन वर्तमान में मंच में उनका आना जाना कम ही दिखाई देता है। मैं चाहता हूँ कि जिन महानुभावों द्वारा इस मंच की संरचना की गयी, संगठन बनाया गया और उसे क्रियान्वयन करते हुए इस मुकाम तक पहुँचाया गया उनकी भागीदारी या उपस्थिति के बिना मंच सदैव अधूरा ही लगता है। मेरा विचार है और आग्रह है कि समस्त पूर्व पदाधिकारी, पूर्व सदस्य एवं आजीवन सदस्य सदैव ही अपनी उपस्थिति एवं सहयोग मंच को अविरल प्रदान करते रहें। यह मंच एक सामाजिक संस्था है जो पूरे कुमाऊँ वासियों का प्रतिनिधित्व करती है। आज इस मंच की जो स्थिति मैं देख पा रहा हूँ वह केवल मेले, बाजार और शोभा यात्रा तक सिमट कर रह गयी है। मंच के मूल उद्देश्य इन छोटे-छोटे कार्यक्रमों की भीड़ में कहीं खो से गये हैं। विगत 42 वर्षों में संस्था को प्रगति के नाम पर कई मुकदमों के अतिरिक्त कुछ भी उपलब्ध नहीं हो पाया है। क्योंकि संस्था से लगाव रखने वाले व्यक्ति नाममात्र ही रह गये हैं और हमारी जो नई पीढ़ियां हमारे आगे हैं वे हमारे इस मंच के इतिहास को बहुत कम जानते हैं। वे यहाँ सिर्फ मेला देखने या कुछ सामान की खरीददारी भर के लिये आते हैं। यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हम अपने विचारों, संस्कारों और रीति रिवाजों को अपने परिवार के माध्यम से जिस प्रकार आगे बढ़ाते हैं उसी प्रकार यह उत्तरदायित्व बनता है कि मंच के गौरवमयी इतिहास से भी अपनी अगली पीढ़ियों को अवगत कराएं। इस मंच परिसर में आने पर उन्हें यह एहसास हो कि यह केवल मेले का स्थान नहीं बल्कि हमारे पहाड़ी समाज के स्वाभिमान, आत्म सम्मान एवं गौरव का प्रतीक है और इस धरोहर को हमने संजोकर रखते हुए आगे बढ़ाना है। साथ ही इसके मूल उद्देश्यों को पूर्णता देनी है। कई बार स्व. चुफाल इस बात को भी कहते थे कि ये मंच ''नैनीताल की माधुली हिम मेरी दगड़ा'' के लिए नहीं बना है, इसके मायने लोग समझ ही नहीं पाए।

1980 से 2024 तक की यात्रा में हमारे समाज में कई परिवर्तन आ चुके हैं। समय एवं प्रकृति हर चलज में बदलाव लाती है और मैं भी समझता हूँ कि 1980 से आज तक समाज की भौतिक स्थिति में बदलाव के साथ-साथ मानसिक स्थिति में भी बदलाव आया होगा। मै। मंच की और से कुमाऊँ में रहने वाले हर एक व्यक्ति से आग्रह करता हूँ कि वे इस मंच से जुड़ें। अब समय अलगाव का नहीं एकात्मकता का है। हमारा मानना है कि जो भी कुमाऊँ क्षेत्र में रह रहा है वह कुमाउंनी ही हैं और यह मंच उन्हीं के लिए उनकी धरोहर है। मंच कुमाऊँ के समस्त निवासियों के प्रति उत्तरदायी तभी होगा जब प्रत्येक कुमाउंनी इस मंच के प्रति अपना दायित्व निभायेगा। मैं पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की तरफ से आग्रह एवं निवेदन करता हूँ कि अपने निजी स्वार्थों(व्यक्तिगत/राजनैतिक) को त्याग कर ही इस मंच परिसर में सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय को आत्मसात करते हुए मंच के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संकल्पित होकर आएं और स्वयं भी आत्म सन्तुष्टि का आनन्द लें। आइये हम सब मिलकर इस मंच के संस्थापक स्व. बलवन्त सिंह चुफाल एवं उनके समकक्ष सदस्यों को (जो अब नहीं रहे) श्रद्धापूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए उनकी मुहिम को और आगे बढ़ाएं।

ज्योतिष की बातें - 171

2 अप्रैल 2024 को बुध मेष राशि में वक्री हो जाएगा और 23 दिन तक वक्री रहेगा। अत: बुध के शुभाशुभ फलों में वृद्धि हो जाएगी।

5 अप्रैल 2024 को स्थानभेद से बुध मेष राशि में ही अस्त भी हो जाएगा और 18 दिन अस्त रहेगा। बुध के अस्त होने से उसके शुभाशुभ फलों में कोई विशेष कमी नहीं आती है। बुध के वक्री और अस्त होने का फल अन्य ग्रहों के समान तीक्ष्ण प्रकृति का नहीं होता है।

शीतलाष्टमी- चैत्र कृष्णपक्ष अष्टमी पूर्वविद्धा तिथि में शीतलाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार मंगलवार 2 अप्रैल 2024 को शीतलाष्टमी मनयी जाएगी। जिनको त्वचा सम्बन्धी, फोड़े-फुंसी, दाहज्वर आदि शीतलारोग होते हैं उन्हें शीतलाष्टमी का व्रत अवश्य करना चाहिए और शीतलाष्टकम् का पाठ करना चाहिए।

इस स्थायी स्तम्भ में ग्रहों के गोचर फल का अलग-अलग वर्णन किया जाता है। सूक्ष्म विश्लेषण के लिए जातक की जन्मकुण्डली, महादशा आदि की आवश्यकता होती है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 62

ए सी अर्थात वातानुकूलक पर्यावरण शत्रु

पहले ठण्डा करने के लिए कूलर का प्रयोग होता था, अब उसके स्थान पर ए सी अर्थात एयर कंडीशनर अर्थात वातानुकूलक का उपयोग होने लगा है। घर पर जिस स्थान पर फ्रिज रखा होता है उसके पीछे की हवा गर्म हो जाती है। जिस कमरे में ए सी लगा रहता है उस कमरे के बाहर पंखे से गर्म हवा निकलती रहती है। रास्तों में चलते हुए जब हम किसी ए सी कार के बगल से गुजरते हैं तो कार के बाहर की हवा बहुत गर्म लगती है। अब तो कमरे के स्थान पर पूरे का पूरे परिसर, हॉल, बड़े-बड़े थिएटर को ए सी लगाकर ठण्डा किया जाता है जिससे उस विशाल भवन की छत पर ए सी के पंखे लगे होने से उसके आसपास की हवा गर्मी के दिनों में इतनी गरम हो जाती है कि उस भवन के आसपास पक्षी भी नहीं विचरण कर सकते हैं। इन उदाहरणों से हम यह कहना चाहते हैं कि आदमी अपने को ठण्डा करने के लिए गर्मी में भी दूसरे के ऊपर और गर्म हवा फेंकता है।

आजकल बड़े-बड़े वातानुकूलित भण्डारण बने हुए हैं जिसमें फल, सब्जियाँ आदि ठण्डे तापमान पर रखे जाते हैं। इस कारण सभी फल और सब्जियाँ बाजार में वर्ष भर उपलब्ध होते हैं, जिस कारण बिना मौसम के उन फल और सब्जियों को खाने के कारण मनुष्य बीमार पड़ता है, स्वास्थ्य की हानि होती है। एक और उदाहरण, ए सी ट्रेन में इतना अधिक ठण्डा कर देते हैं कि कुछ लोगों को गर्मी के दिनों में भी कम्बल ओढ़ना पड़ता है और कुछ ए सी के कारण बीमार भी पड़ जाते हैं। इस प्रकार ए सी के द्वारा बिजली की भयंकर बदबादी के साथ-साथ पर्यावरण और स्वास्थ्य का भी सत्यानाश किया जा रहा है। मेरे विचार से ए सी के प्रयोग को नियन्त्रित किया जाना चाहिए। साथ ही ए सी में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री होता है उसको बढ़ाकर 24 अथवा 27 डिग्री किया जाना चाहिए जिससे बिजली की बदबादी आधी रह जाएगी। साथ ही पर्यावरा और स्वास्थ्य की हानि भी कुछ कम हो जाएगी।

-सरल

पूर्णागिरी मेले में उमड़े श्रद्धालु

टनकपुर। उत्तर भारत का प्रमुख पूर्णागिरी मेला होली सम्पन्न होते ही आरम्भ हो गया। मेले में हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिये पूर्णागिरी पहुँचते हैं। इस बार भी मेले के लिये शासन स्तर पर तैयारी की गई है। 82 दिन तक चलने वाले मेले को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारी कर रखी है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। जिला पंचायत एवं मंदिर समिति से जुड़े लोगों के साथ ही पुलिस प्रशासन मेले के दौरान अति सक्रिय रहते हैं। इसके अलावा सीमा पार सिद्धबाबा मन्दिर, नेपाल में भी श्रद्धालुओं का आना-जाना जारी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दारमा सेवा समिति कार्यकारिणी गठित

धारचूला। दारमा सेवा समिति की नई कार्यकारिणी में करन ग्वाल अध्यक्ष व दिनेश चलाल महासचिव बने हैं। चुनाव अधिकारी पूरन सैलाल व भीम सिंह बंग्याल की देखरेख में बालिंग मिलन केन्द्र में हुई बैठक में लक्ष्मण नगन्याल उपाध्यक्ष, अमर बंग्याल कोषाध्यक्ष के अलावा कुंवर ग्वाल, कुसुम बंग्याल, भीम सिंह बोनाल, राम सिंह सैलाल को सदस्य चुना गया।

गढ़ीनेगी नगर पंचायत बनेगी

देहरादून। आम चुनाव से पूर्व हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने काशीपुर में गढ़ीनेगी को नगर पंचायत बनाने सहित कई प्रस्ताव पास किये। बैठक में पहली सेवा क्षेत्र नीति के साथ ही बेसिक शिक्षकों की सेवा नियमावली में संशोधन और निजी भूमि पर पेड़ काटने की अनुमति के प्रस्तावों पर चर्चा हुई और उत्तराखण्ड सेवा नीति के प्रख्यापन, राजकीय होटल मैनेजमेंट संस्थान दून और अल्मोड़ा की सेवा नियमावली मो मंजूरी दी।

बेरीनाग पौसा मार्ग बदहाली पर गुस्सा

बेरीनाग। पिथौरागढ़ और बागेश्वर को जोड़ने वाली बेरीनाग पौसा मोटर मार्ग लम्बे समय से खस्ताहाल है। ग्रामीण मार्ग को ठीक कराने के लिये कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं। इस मार्ग की बदहाली पर गुस्सा दिखाते हुए ग्रामीणों ने सीएम को ज्ञापन भेजा है और सामूहिक रूप से चुनाव बहिष्कार की बात कही है। प्रदर्शन कारियों में दीपा देवी, डीआर टम्टा, हनुमान रावत, भूपाल सिंह, पूरन सिंह रौतेला आदि थे।

नए स्वरूप में दिखेगा माँ वाराही मंदिर

पाटी। देवीधुरा स्थित माँ वाराही मन्दिर जल्द नए स्वरूप में दिखाई देगा। मन्दिर का नया डिजायन तैयार किया जा रहा है। मन्दिर कमेटी की बैठक में चार खाम, सात थोक और कमेटी के पदाधिकारियों ने इस विषय पर चर्चा की। कमेटी के संरक्षक लक्ष्मण सिंह लमगड़िया ने बताया कि 6 माह पूर्व मन्दिर ट्रस्ट बनाया गया है। इसी ट्रस्ट के तहत उद्योगपति दिनेश चन्द्र जोशी को डिजायन बनाने के लिये अधिकृत किया गया है।

आन्दोलित किसानों का ऐलान

बाजपुर। लम्बे समय से आन्दोलन कर रहे किसानों ने चुनाव बहिष्कार का ऐलान किया है। असल में सीएम के बाजपुर आगमन को लेकर किसानों को बड़ी उम्मीद थी लेकिन बीस गाँव की भूमि को लेकर बात नहीं बनने से किसान नाराज हैं। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत को इस आन्दोलन में अगुवाई के लिये कहा गया है और भूमि बचाओ सत्याग्रह आन्दोलन जारी रखने की बात कही है।

टनकपुर से भी आदि कैलास यात्रा, दो सौ से अधिक यात्रियों की बुकिंग

नैनीताल। कुमाऊँ मण्डल विकास निगम ने इस बार 13 मई से आदि कैलास यात्रा शुरू करने की तैयारी की है। साथ ही टनकपुर से भी यह यात्रा शुरू होनी है, जिसके लिये दो सौ से अधिक यात्रियों ने अपनी बुकिंग भी करवा ली है। निगम की ओर से पहली बार टनकपुर से भी सड़क मार्ग से आदि कैलास यात्रा की तैयारी की गई है। इससे पहले यात्री केवल काठगोदाम से आदि कैलास यात्रा करते रहे हैं। केएमवीएन की ओर से काठगोदाम से आदि कैलास को यात्रा 8 दिन में पूर्ण होती है। इसमें श्रद्धालुओं को कैंची, बागेश्वर, पातालभुवनेश्वर समेत अन्य मन्दिरों के भी दर्शन कराए जाते हैं। लेकिन पहली बार टनकपुर से होने वाली सड़क यात्रा में श्रद्धालु चम्पावत, पिथौरागढ़ होते हुए आदि कैलास की यात्रा 5 दिनों में कर पाएंगे। यात्रा को हेली सेवा से भी जोड़ा जा रहा है। पर्यटन सचिव के निर्देशन पर श्रद्धालु पिथौरागढ़ होते हुए आदि कैलास, ओम पर्वत के हवाई दर्शन सेवा से कर सकेंगे। इन दिनों तैयारी जारी है।

रुद्रपुर में जमीन का खेल, भवन ध्वस्त

रुद्रपुर। तराई में जमीन का खेल बेहिसाब चल रहा है। प्लाट बेचने के नाम पर ठगी, सरकारी जमीन पर कब्जा, अतिक्रमण के मामलों में रुद्रपुर का नाम आगे दिखाई दे रहा है।

ताजा मामलों में चार प्लाट बेचने के नाम पर एक व्यक्ति से 23.50 लाख रुपये हड़पने की चर्चा है। पुलिस ने मामले में मामले में धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। प्रीत विहार कालोनी फजलपुर महरौला निवासी हनीफ अली पुत्र उमर अली ने बताया कि उसने ओमेक्स रिवेरा निवासी विवेक गुप्ता से चार प्लाट खरीदे थे। चार लाख रुपये देने के बाद भी आरोपित प्लाटों की रजिस्ट्री बैनामा करने से इन्कार कर रहा है।

प्रीत विहार में सरकारी जमीनपर निर्माणाधीन दो भवनों को एसडीएम के निर्देश पर लोडर मशीन से ध्वस्त कर दिया। बताया जा रहा है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी प्रीत विहार में भवनों के निर्माण होने की सूचना प्रशासन को मिली थी। ऐसे में प्रशासन ने सख्त रुख करते हुए मौके पर देखा और पाया कि मकान बनाए जा रहे हैं जिसमें लिंटर डालने की तैयारी थी। इसी प्रकार बड़ी संख्या में बने हैं।

चुनावी पारे में मुद्दे गायब हैं

उत्तराखण्ड की पाँचों लोकसभा सीटों पर चुनावी पारा चढ़ा हुआ है लेकिन मुद्दों पर बात की बजाए नेताओं और चेलों का निजी गणित चल रहा है। अपने फायदे के लिये राजनीति चोला पहनने वाले अपने बचाव का रास्ता देख रहे हैं। प्रदेश में भाजपा की रणनीति उसे आगे बनाए हुए हैं लेकिन विपक्ष की रणनीति भी इस बार कम नहीं है। पौड़ी सीट पर बसपा ने धीर सिंह बिष्ट, यूकेडी ने आशुतोष नेगी, टिहरी सीट पर बसपा ने नेमचन्द छुरियाल, निर्दलीय बॉबी पंवार, हरिद्वार सीट पर बसपा ने भावना पाण्डे, यूकेडी ने मोहन अस्वाल, नैनीताल सीट पर यूकेडी ने शिवसिंह रावत, अल्मोड़ा सीट पर बसपा ने नारायण राम, यूकेडी ने अर्जुन देव, उपपा ने किरन आर्या को मैदान में उतारा है। पूरी लड़ाई में भाजपा-कांग्रेस के बीच समेट होनी है लेकिन स्थानीय मुद्दों के अलावा अंकिता हत्याकाण्ड जैसे मामलों पर अन्त तक आवाज उठती रहेगी।

शीतकालीन प्रवास बूथों पर भी वोट

गोपेश्वर। जिले में 3821 माइग्रेट मतदाताओं के मतदान की सुविधा शीत कालीन प्रवास वाले गांवों के आसपास के बूथों पर मिलेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना ने माइग्रेट मतदेय स्थलों के मतदाताओं को मतदान की सुविधा प्रदान करने हेतु सम्बन्धित प्रधान, बीएलओ एवं मान्यता प्राप्त राजनीति दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इसमें माइग्रेट मतदाताओं को मतदान की सुविधा प्रदान करने के लिए सुझाव दिए गए। बताया कि बीएलओ के माध्यम से माइग्रेट मतदाताओं को यह सारी सुविधा के लिये सूची तैयार की गई है। इस सम्बन्ध में किसी भी माइग्रेट मतदाता की सूची में कुछ संशोधन करना है तो इसकी सूचना तत्काल बीएलओ के माध्यम से नोडल अधिकारी को देनी होगी ताकि माइग्रेट मतदाओं की सुविधा के अनुसार बूथ आवंटित किया जा सके।

नोडल माइग्रेट मतदात धर्म सिंह ने बताया कि जनपद के बदरीनाथ विधानसभा के अन्तर्गत हिमाच्छादित नौ माइग्रेट मतदेय स्थल हैं। इसमें गमशाली के 824, माणा के 820 निवास करते हैं।

चारधाम यात्रा मार्ग पर कैमरों की नज़र

चमोली। चारधाम यात्रा में इस वर्ष सभी प्रमुख क्षेत्रों में क्लौज सर्किल कैमरों से नजर रखी जाएगी। इसके लिये प्रदेश के दुर्घटना सम्बन्धित व सम्वेदनशील स्थानों पर सीसी कैमरे लगाए जाने हैं। कैमरे लगाने का यह कार्य पुलिस विभाग कर रहा है। सथ ही यात्रा मार्ग के कुछ स्थानों पर ड्रोन से नजर रखने की तैयारी है। माह मई में चारधाम यात्रा आरम्भ हो जाएगी। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ के कपाट दस मई को खुलेंगे। बदरीनाथ के कपाट 12 मई को खुलने वाले हैं। कपाट खुलने के समय में यह यात्रा होने लगती है। इसमें देश विदेश के लाखों श्रद्धालु आते हैं। गत वर्ष रिकार्ड संख्या 56 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा पर थे। इस बार भी चारधाम यात्रा को सुचारु रूप से संचालित करने के लिये शासन गम्भीर है। इसी क्रम में सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य तैयारियां की जा रही हैं। जिला मुख्यालय में सीधा प्रसारण भी होगा।

चुनाव के बाद होंगे पुनर्वास के कार्य

हल्द्वानी। जमरानी बांध प्रभावितों के पुनर्वास के लिये आचार संहिता से पूर्व ही विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी को 200 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया गया था परन्तु चुनाव होने के बाद ही प्रभावितों को मुआवजा बांटने और पुनर्वास से सम्बन्धित कार्य हो पाएंगे।

असल में जमरानी बांध परियोजना का अनुमोदन सचिव स्तर से होना है। इसके बाद धारा 19 लागू होगी और पुनर्वास योजना का अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। परियोजना इकाई द्वारा प्रभावितों के कच्चे-पक्के आवास, जमीन और पेड़ों का मुआवजा तय किया गया है। मूल्य निर्धारण के लिये बनाई गई कमेटी की ओर से मूल्यांकन के बाद मुआवजा तय किया जायेगा। इसके बाद जिलाधि कारी की ओर से अवॉर्ड की घोषणा करते हुए मुआवजा दिया जायेगा। ऐसे में चुनाव सम्पन्न होने के बाद ही पुनर्वास का कार्य होना तय है। बताया जा रहा है कि बांध निर्माण से जुड़े विभागीय कार्य जारी हैं।

आदि कैलास हेली से दर्शन का विरोध

धारचूला। प्रदेश सरकार द्वारा हेलीकाप्टर से आदि कैलास व ओम पर्वत के दर्शन कराने के निर्णय पर व्यास घाटी के गाँवों में आक्रोश व्याप्त है। व्यास संघर्ष समिति ने इसके विरोध में तहसील मुख्यालय में प्रदर्शन करने के साथ ही मशाल जुलूस निकालया गया। जनजाति संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजन नबियाल की अध्यक्षता में बैठक भी हुई।

टीपी नगर में शिफ्ट होगा बस अड्डा

हल्द्वानी। लोकसभा चुनाव के बाद बस अड्डा ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्ट होगा। उत्तराखण्ड अर्बल सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी की डीपीआर को अब तक मंजूरी नहीं मिली है। जिस कारण बुनियादी जरूरतों के लिए निविदाएं नहीं हो सकी हैं। इन सभी औपचारिकताओं में 4-5 माह लग सकते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट ए.पी. बाजपेयी ने यूयूएसडीए के अधिकारियों के साथ बैठक की है। ऐसे में सम्भावना है कि चुनाव के बाद अड्डा शिफ्ट होगा

परिक्रमा

अवैध कालोनियों पर गरजी जेसीबी

काशीपुर। जिला विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक रुहेला के निर्देश पर प्राधिकरण की टीम के साथ राजस्व विभाग और पुलिस की टीम ने रुद्रपुर और काशीपुर कई स्थानों पर अनाधि कृत कालोनियों के विरुद्ध कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने रुद्रपुर व काशीपुर में चार अनाधिकृत कालोनियों में हो रहे निर्माण कार्यों को जेसीबी से ध्वस्त किया। इसे कालोनाइजरों में हड़कम्प है।

गंगोलीहाट पैदल मार्ग गंदगी से पटा

गंगोलीहाट। महाकाली मन्दिर को जोड़ने वाला मुख्य पैदल मार्ग गन्दगी से पटा हुआ है। स्थानीय व्यापारी व सामाजिक कार्यकर्ता कूड़े के ढेर को लेकर बार बार कहते रहे हैं लेकिन हालात खराब हैं। साथ ही सार्वजनिक शौचालय न होने से भी लोगों को दिक्कत हो रही है। इस बीच व्यापारियों ने नगर पंचायत से पुनः सफाई को कहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लोकसभा चुनाव में उत्तराखण्ड के हालचाल, हलचल तेज......

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वालों की लम्बी सूची
दिल्ली और देहरादून जाकर बड़े नेताओं के सामने हाजिरी
प्रधान, जिपं सदस्य, विधायक तक पार्टी बदलने में आगे
पाँचों सीटों पर प्रत्याशियों का प्रचार अभियान जारी
बड़े नेताओं की सभाओं, रैली की तैयारी होने लगी है

प्रथम पृष्ठ का शेष

वाले नेताओं का सिलसिला अभी बना रहेगा क्योंकि राजनीति, पद, लालसा इसकी जड़ में है। प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, पार्टी नेता तो वोट के पहले दिन तक भी इधर-उधर होते रहेंगे। धारचूला के सीमान्त क्षेत्र गुंजी के ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान समेत 30 लोगों ने भाजपा में दौड़ लगाई। जिला पंचायत सदस्य सहित ये सभी अजय भट्ट के प्रचार के दौरान पार्टी से जुड़े। गंगोत्री के पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण और पुरोला के विधायक मालचन्द ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा में आस्था दिखाई। इसके बाद बद्रीनाथ के विधायक राजेन्द्र भण्डारी ने दिल्ली जाकर भाजपा का दामन थामते हुए कहा वह मोदी और भाजपा के कार्यों से प्रभावित हैं। इससे पहले गढ़वाल सीट के पूर्व प्रत्याशी मनीष खण्डूरी ने कांग्रेस को झटका देकर भाजपा में रास्ता बना लिया था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और रुद्रपुर में तीन बार के सभासद दिली अधिकारी समर्थकों के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में खिसक चुके हैं। विधायक शिव अरोरा ने उन्हें सदस्यता दिलाई।

यूथ कांग्रेस की प्रदेश महासचिव अंकिता पाल राजपूत ने देहरादून में भाजपा का चोला ओढ़ लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने काबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा की उपस्थिति में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। उत्तरकाशी के पूर्व पालिकाध्यक्ष रमेश सेमवाल भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गये। उनका कहना है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में विकास जिस ऊँचाई पर है, उससे प्रभावित होकर वह भाजपा में शामिल हो रहे हैं। पौड़ी में कांग्रेस को झटके-पे-झटके दिखाई दे रहे हैं। भाजपा के अनिल बलूनी के प्रचार के दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केशर सिंह नेगी, ब्लाक प्रमुख पौड़ी, दीपक खुगशाल, ब्लाक प्रमुख जयहरीखाल दीपक भण्डारी, कोट भ्रामरी के दो पूर्व प्रमुख चांदनी रावत और नवल किशोर ने समर्थकों के साथ भाजपा में रास्ता बना लिया है। धनोल्टी के पूर्व विधायक महावीर रोगड़ और भीमताल के पूर्व विधायक दान सिंह भण्डारी ने भी भाजपा में वापसी कर ली है। दून भाजपा कार्यालय में इन नेताओं ने फिर से चोला बदला। जोशीमठ के निवर्तमान पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र पंवार अपने साथियों सहित कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आ चुके हैं।

तराई-भाबर में तो छुटभैय्या नेताओं की टोली अन्तिम समय तक इधर-उधर होती रहेगी। गदरपुर में लवली हुड़िया भाजपा में शामिल हो गये हैं। अजय भट्ट के चुनाव कार्यालय उद्घाटन के समय विधायक अरविन्द पाण्डे ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलवाई।

यूथ कांग्रेस की प्रदेश महासचिव अंकिता पाल ने भाजपा का दामन थाम लिया। वह कह रही हैं- 'सीएम पुष्कर धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट के नेतृत्व में संगठन की मजबूती के लिये कार्य करेंगी। अस्कोट की अंकिता के कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने का जश्न इलाके तक रहा। बसपा से तीन बार विधायक रहे हरिदास अपने बेटे आदित्य और समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो चुके हैं। गढ़वाल संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी के रामनगर रोड शो के दौरान आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह रावत अपने साथियों के साथ भाजपाई हो गये।

चुनाव के इस पूरे गणित को देखें तो साफ दिखाई दे रहा है कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वालों की सूची लम्बी है। आम आदमी पार्टी व अन्य से जुड़े नेता भी भाजपा की ओर हुए हैं। मौका देखकर जाने वालों में प्रधान, सभासद, जिला पंचायत सदस्य, अध्यक्ष, पूर्व विधायक, वर्तमान विधायक, संगठन के नेता शामिल हैं। राजनीतिक चतुराई दिखाने वाले नेताओं ने दिल्ली, देहरादून जाकर पार्टी चोला बदला है। इसके अलावा प्रत्याशियों के प्रचार अभियान के समय पार्टी बदलने का क्रम चल रहा है।

भीमताल विधायक रामसिंह कैड़ा के नेतृत्व में कांग्रेस की पूर्व ब्लाक प्रमुख चम्पा आर्य, रामगढ़ जिला पंचायत सदस्य ममता सागर, पर्वू में इस विधान सभा से विधायक का चुनाव लड़े प्रकाश आर्य, भीमताल कांग्रेस की ब्लाक अध्यक्ष खष्टी राघव, प्रधान राजू पलड़िया, बाली राम, पुष्कर सिंह रैकवाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बीर राम सहित कई लोगों ने भाजपा का दामन पकड़ लिया। अजय भट्ट ने इन सभी का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। पूर्व कबीना मंत्री और बसपा नेता स्व. सुरेन्द्र राकेश के भाई सुबोध राकेश भी अपने समर्थकों के साथ भाजपा में आ चुके हैं। हरिद्वार से पार्टी प्रत्याशी त्रिवेन्द्र रावत की उपस्थिति में उन्होंने भाजपा का रुख किया।

चुनाव के इस समर में भाजपा की ओर लुढ़कने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन मुकाबला एकतरफा नहीं कहा जा सकता है। यह जानते हुए पार्टियों ने अपने बड़े नेताओं की सभाओं की तैयारी भी की है। अभी तक प्रत्याशियों की ओर से हुए रैलियों में शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला है। सभाओं के लिये भाजपा की ओर से नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, राजनाथ सहित स्टार प्रचारकों को बुलाने पर जोर है। यह देखते हुए कांग्रेस ने राहुल गांधी, प्रियंका सहित स्टारों को लाने का मन बना रखा है। चुनाव के पूरे अभियान में बड़े नेताओं और रैलियों का कितना प्रभाव पड़ेगा यह समय बताएगा लेकिन अभी तो पहाड़ के मुद्दे चुनावी बनाने की तैयारी भी है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम को वापस लेने की मांग, माले ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा

जगमोहन रौतेला

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माले) की नैनीताल जिला कमेटी की ओर से माले जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने भारत गणराज्य की राष्ट्रपति महोदया को सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी के माध्यम से सीएए-एनआरसी-एनपीआर को खारिज किए जाने की मांग पर ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में कहा गया कि, केन्द्र सरकार द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की नियमवाली की अधिसूचना जारी कर दी गयी है।

दिसम्बर 2019 में पास किये गये भेदभावकारी और विभाजनकारी अन्यायपूर्ण नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने वाली नियमावली की अधिसूचना 2024 चुनावों की अधिसूचना आने से ठीक पहले जारी करना एक राजनीतिक साजिश का संकेत है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद सीएए की 'क्रोनोलॉजी' समझाते हुए कहा था कि इस कानून को लागू करने के बाद एनआरसी-एनपीआर को देशव्यापी स्तर पर लाया जायेगा जिसके माध्यम से दस्तावेज न दिखा पाने वाले नागरिकों को नागरिकता के अधिकार से वंचित कर दिया जायेगा। सीएए नागरिकों को धर्म के आधार पर बांटने के मकसद से लाया गया है, जो भ्रामक रूप से गैरमुस्लिम 'शरणार्थियों' को नागरिकता देने और मुसलमानों की नागरिकता छीनने, यहाँ तक कि देशनिकाला देने, तक की बात करता है। लेकिन असम में की गयी एनआरसी की कवायद और देश में जगह-जगह चलाये जा रहे बुलडोजर ध्वस्तीकरण अभियानों से स्पष्ट हो चुका है कि आदिवासियों और वनवासियों समेत सभी समुदायों के गरीब इससे प्रभावित होंगे।

देश का लोकतांत्रिक अभिमत और समान नागरिकता एवं संवैधानिक अधिकार आन्दोलन ने सीएए-एनआरसी के पूरे पैकेज को संविधान पर हमला बता कर खारिज कर दिया है।

महामहिम, भारत संवैधानिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष देश है.1955 के नागरिकता अधिनियम में भारत का नागरिक होने के लिए धर्म का कहीं जिक्र नहीं था। लेकिन सीएए के जरिये नागरिकता को धर्म से जोड़ा जा रहा है। यह पूरी तरह से आलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी है। देश से बाहर के कुछ धर्मों के उत्पीड़ितों को नागरिकता देने के घोषित उद्देश्य से अधिक यह देश में धर्म विशेष के नागरिकों को उत्पीड़ित करने का औज़ार बनेगा।

अतः न केवल सीएए और उसकी हाल में अधिसूचित नियमावली को बल्कि आगे आने वाले पूरे पैकेज यानि सीएए-एनआरसी-एनपीआर को भी खारिज किए जाने की मांग करते हैं।

भाकपा माले जिला सचिव ने इस अवसर पर कहा कि, 'धर्म के आधार पर नागरिकता देश की जनता को स्वीकार नहीं है। मोदी सरकार साम्प्रदायिक आधार पर सीएए और एनआरसी की इमारत खड़ी करना चाहती है। मोदी सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस संसदीय बहुमत की आड़ में आज वह संविधान की मूल प्रस्थापना 'धर्मनिरपेक्षता' से खिलवाड़ कर रही है, उसी की शपथ ले वह सत्ता में विराजमान है। महज चुनावी लाभ के लिए विभाजनकारी नागरिकता अधिसूचना को मोदी सरकार को वापस लेना चाहिए नहह्र तो देश की आने वाली पीढ़ियां उसे कभी माफ नहीं करेंगी।'

मोटर मार्ग से मलबा न हटाने से नाराज बुंग-बुंग ग्रामसभा ने की चुनाव बहिष्कार की घोषणा

धारचूला। सीमान्त तहसील के चीन सीमा से लगे ग्राम पंचायत बुंग- बुंग (सिमखोला) के ग्राम वासियों ने मलवा आने के कारण बन्द मोटर मार्ग को सुचारू नहीं किए जाने पर लोकसभा चुनाव के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। इसकी सूचना जिलाधिकारी तथा उप जिलाधिकारी को भेजी गई है। सरकारी महकमों की घोर लापरवाही के कारण इस ग्राम पंचायत के 545 परिवार मोटर मार्ग की सुविधा से वंचित हो गए है।

ग्राम पंचायत बुंग-बुंग के लिए बना मोटर मार्ग बन्द चल रहा है। इस मोटर को खोले जाने की लगातार मांग की जा रही है, लेकिन प्रधानमंत्री सड़क योजना की कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग पीएमजीएस वाई चुप्पी साधे हुए है। इस विभाग को इस मोटर मार्ग की 5 साल के लिए रख रखाव की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है। जिस पर वह खरा नहीं उतर पा रही है। वर्तमान में एनपीसीसी की लापरवाही के कारण मोटर मार्ग बन्द पड़ा हुआ है।

दोनों विभाग एक दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी डाल कर उलझन पैदा कर रहे हैं। एक भी विभाग मोटर मार्ग को खोलने के लिए सकारात्मक भूमिका नहीं निभा रही है। एनपीसीसी का तो बुलडोजर यहाँ पर खड़ा है और कुछ समय में मोटर मार्ग को खोल सकता है, लेकिन निवेदन करने के बाद भी वह टस से मस नहीं हो रहा है। इस कारण ग्राम पंचायत के 545 परिवारों को मोटर मार्ग की सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है।

बुंग-बुंग के पूर्व प्रधान कुन्दन सिंह भण्डारी ने बताया कि मोटर मार्ग में आए बरसाती मलवे को साफ किए जाने की मांग को लेकर दस माह से लगातार विभाग से निवेदन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आज-कल कर दिया जाएगा करके इस कार्य को करने का झूठा आश्वासन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगर विभाग ने ग्राम वासियों की इस पुकार को नहीं सुना ते आगामी लोकसभा चुनाव में इस गाँव का एक भी नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि इसकी सूचना प्रशासन को भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि मोटर मार्ग की सुचारु नहीं होने के कारण ग्राम वासियों को पैदल यात्रा करनी पड़ रही है। आवश्यक सामानों को पीठ में ढोकर लाना पड़ रहा है। इन दोनों विभागों की लापरवाह का शिकार आम जनता को होना पड़ा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

फाल्गुन मस्त महीने की शुभकामनाओं के साथ-

आनन्द सिंह जंगपांगी
अर्थ एवं संख्या अधिकारी
फ्रेंड्स कलोनी
मल्ली बमोरी
हल्द्वानी

विश्वसनीयता का नाम, उचित दाम
रामा एग्रो इंडस्ट्रीज
झनकट
खटीमा

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण केन्द्र
हिमालय संगीत शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)